कौन जाने मैया रानी जाने किस पे कृपा कर दे लिरिक्स

कौन जाने मैया रानी,
जाने किस पे कृपा कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे।bd।

तर्ज – झूठ बोले कौवा काटे।

नर तन देकर धन्य किया,
और धन्यवाद इस वाणी के,
किस्मत में माँ का प्यार मिला,
और दर्शन मैया रानी के,
तन मन अर्पण आत्मसमर्पण,
जो खुशी खुशी कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे।
कौन जाने मईया रानी,
जाने किस पे कृपा कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे।bd।

दरबार बहुत देखे जग में,
पर ये दरबार अजूबा है,
हर मनोकामना पूर्ण हुई,
जिसने श्रद्धा से पूजा है,
हम क्या जाने इसकी क्षमता,
झोली एक पल में भर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे।
कौन जाने मईया रानी,
जाने किस पे कृपा कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे।bd।

देने वाले तो लाखो है,
हर तुम्हे भिखारी कर देंगे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

इज्जत से जीने जग में,
फिर कभी नहीं अवसर देंगे,
मांग वहां सम्मान जहाँ,
भव से निहाल कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे।
कौन जाने मईया रानी,
जाने किस पे कृपा कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे।bd।

कौन जाने मैया रानी,
जाने किस पे कृपा कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे,
वो चाहे उजड़े गुलशन को,
हरा भरा कर दे।bd।

स्वर – मुकेश कुमार जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com